कृति : भक्तामर के प्रश्न–कृति क्रमांक –3

कृतिकार : मुनि प्रज्ञासागर जी

प्रकाशक : जैन धर्म संवर्धन संस्थान, अहमदाबाद

प्राप्ति स्थल : जैन धर्म संवर्धन संस्थान द्वारा प्रोफेसर डॉ. शैलेष भाई ए. शाह 1/1 गोकुल अर्पाटमेंट, सोला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अहमदाबार– 380063

मूल्य : 25/– रूपये मात्र

प्रश्न 1 भक्तामर स्त्रोत का दूसरा नाम क्या है?

उत्तर– भक्तामर स्त्रोत का दूसरा नाम आदिनाथ स्त्रोत है।

प्रश्न 2 भक्तामर स्त्रोत के रचयिता कौन हैं ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत के रचयिता मानतुंग स्वामी है।

प्रश्न 3 भकतामर स्त्रोत की रचना कौन सी शताब्दी में हुई ?

उत्तर–भक्ता स्त्रोत का रचना 11वीं शताब्दी में हुई।

प्रश्न 4 भक्तामर स्त्रोत की रचना कहां पर हुई ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत की रचना धारा नगरी की जेल में हुई।

प्रश्न 5 भक्तामार स्त्रोत रचयिता जेल कैसे पहुंचे ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत के रचियता को धर्म विद्वेष के कारण कवि कालिदास के कहने पर राजा भोज ने उन्हें जेल में पहुंचा दिया था।

प्रश्न 6 भक्तामर स्त्रोत क्यों लिखा गया ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत कर्म बंधन काटने के लिए लिखा गया है।

प्रश्न 7 भक्तामर स्त्रोत कौन–सी भाषा में लिखा गया है ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत संस्कृत भाषा में लिखा गया है।

प्रश्न 8 भक्तामर स्त्रोत कौन से छन्द में लिखा गया है ?

उत्तर भक्तामर स्त्रोत बसंत तिलका छंद में लिखा गया है।

प्रश्न 9 भक्तामर स्त्रोत का भक्तामर यह नाम क्यों पड़ा ?

उत्तर–भक्तामर स्त्रोत का प्रथम शब्द भक्तामर होने से इसका नाम भक्तामर स्त्रोत पड़ा।

प्रश्न 10 भक्तामर स्त्रोत में कुल कितने काव्य हैं ?

उत्तर भक्तामर स्त्रोत में कुल 48 अड़तालीस, काव्य हैं।

प्रश्न 11 भक्तामर स्त्रोत कौन सा काव्य है ?

उत्तर – भक्तामर स्त्रोत भक्ति काव्य है।

प्रश्न 12 भक्तामर स्त्रोत में किसकी भक्ति की गयी है?

....

....